

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	ज्येष्ठ 20, बुधवार, शाके 1942-जून 10, 2020 Jyaistha 20, Wednesday, Saka 1942-June 10, 2020	

भाग 4 (ग)

उप- खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप- विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

कार्मिक विभाग

क-ग्रुप-2

अधिसूचना

जयपुर, मार्च 08, 2019

जी.एस.आर. 171 :-भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान के राज्यपाल, राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा नियम, 2015 को और संशोधित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियम, 2018 है।

(2) ये तुरन्त प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 17 का संशोधन.- राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा नियम, 2015, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियमों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के नियम 17 के खण्ड (2) के परन्तुक में,-

(i) उप-खण्ड (iii) में अन्त में आये विद्यमान विराम चिह्न “,” के स्थान पर अभिव्यक्ति “; और” प्रतिस्थापित की जायेगी; और

(ii) इस प्रकार संशोधित उप-खण्ड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित नया उप-खण्ड (iv) जोड़ा जायेगा, अर्थात्:-

“(iv) जहां चयन लिखित परीक्षा और शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के माध्यम से किया जाता हो, वहां शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के प्रारंभ होने से पूर्व,”

3. नियम 30 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 30 में,-

(i) विद्यमान उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(2) शारीरिक दक्षता और पद-चाल परीक्षण नियम 23 के उप-नियम (2) में उल्लिखित समिति द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। शारीरिक दक्षता और पद-चाल परीक्षण अर्हकारी प्रकृति के होंगे।”;

(ii) उप-नियम (3) के खण्ड (ख) में विद्यमान अभिव्यक्ति “ट्रेड परीक्षण में निम्नलिखित समाविष्ट होंगे” के स्थान पर अभिव्यक्ति “ट्रेड परीक्षण अर्हकारी प्रकृति का होगा और इसमें निम्नलिखित समाविष्ट होंगे” प्रतिस्थापित की जायेगी;

(iii) विद्यमान उप-नियम (4) हटाया जायेगा; और

- (iv) विद्यमान उप-नियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “(5) समिति, ऐसे अभ्यर्थियों में से, जो शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण में उपस्थित हुए हों और उसे उत्तीर्ण कर लिया हो, लिखित परीक्षा में अभिप्राप्त अंकों के आधार पर योग्यताक्रम में व्यवस्थित, एक योग्यता सूची तैयार करेगी। समिति, संबंधित पद पर नियुक्ति के लिए रिक्तियों की संख्या के बराबर अभ्यर्थियों की इस प्रकार तैयार की गयी योग्यता सूची की सिफारिश नियुक्ति प्राधिकारी को करेगी:

परन्तु,-

- (i) समिति, विज्ञापित रिक्तियों के 50 प्रतिशत की सीमा तक, उपयुक्त अभ्यर्थियों के नाम आरक्षित सूची में रख सकेगी। समिति, अध्यक्षता किये जाने पर, ऐसे अभ्यर्थियों के नामों की योग्यताक्रम में सिफारिश, उस तारीख से, जिसको मूल सूची समिति द्वारा नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रेषित की जाती है, छह मास के भीतर-भीतर नियुक्ति प्राधिकारी को की जा सकेगी।
- (ii) यदि दो या अधिक अभ्यर्थी समान अंक प्राप्त करते हैं तो योग्यता में उनकी रैंक आयु के आधार पर विनिश्चित की जायेगी, ऐसे मामले में आयु में बड़ा अभ्यर्थी योग्यताक्रम में उच्चतर रैंक का होगा।”

4. अनुसूची-IV का संशोधन.- उक्त नियमों से संलग्न अनुसूची-IV में,-

- (i) शारीरिक उपयुक्तता/ट्रेड परीक्षण के स्तंभ में, वन रक्षक के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “अर्हकारी प्रकृति का होगा”;
- (ii) शारीरिक उपयुक्तता/ट्रेड परीक्षण के स्तंभ में, वनपाल के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “अर्हकारी प्रकृति का होगा”;
- (iii) शारीरिक उपयुक्तता/ट्रेड परीक्षण के स्तंभ में, ड्राइवर के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
 “अर्हकारी प्रकृति का होगा”; और
- (iv) साक्षात्कार का विद्यमान स्तंभ हटाया जायेगा।

[सं. एफ 2(4) डीओपी/ए-11/15]

राज्यपाल के आदेश और नाम से,
 जय सिंह,
 उप शासन सचिव

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।